

संख्या :- 2077/XVII-4/2014

प्रेषक ,

एस0राजू
अपर मुख्य सचिव
उत्तराखण्ड शासन

1. निदेशक समाज कल्याण ,
उत्तराखण्ड (हल्द्वानी)

2. निदेशक जनजाति कल्याण ,
देहरादून

समाज कल्याण अनुभाग-4

दिनांक: देहरादून 14 नवम्बर 2014

विषय :- समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के ऑनलाईन क्रियान्वयन के संबंध में ।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अवगत कराना है कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के अन्तर्गत ए.आई.सी.टी.ई./एम.सी.आई./एन.सी.टी.ई. तथा तकनीकी शिक्षा परिषद, उत्तराखण्ड के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत छात्रवृत्ति के पात्र छात्र/छात्राओं को प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्ति के प्रकरणों का त्वरित तथा पारदर्शिता के साथ निराकरण तथा अन्य लाभों को देखते हुए वर्ष 2014-15 से ONLINE SCHOLARSHIP SCHEME लागू करने का निर्णय लिया गया है। वर्ष 2015-16 से भारत सरकार द्वारा संचालित अन्य छात्रवृत्ति योजनाओं हेतु भी उक्त व्यवस्था को यथावत लागू किया जायेगा। इस कार्य हेतु साफ्टवेयर में समुचित प्राविधान पृथक से एन0आई0सी0 द्वारा किया जायेगा। इस प्रणाली के द्वारा ऑनलाईन प्राप्त आवेदनों पर स्वीकृति की कार्यवाही की जायेगी। छात्रों को आवेदन पत्र ऑनलाईन प्रविष्ट करने हेतु मार्गदर्शिका (User Manual) एवं आवश्यक सुविधा एन.आई.सी. उत्तराखण्ड, देहरादून द्वारा विकसित वेब पोर्टल <http://escholarship.uk.gov.in> पर उपलब्ध होगी एवं जिसका लिंक समाज कल्याण विभाग की वेबसाइट पर भी दिया जाएगा।

भारत सरकार द्वारा संचालित अनुसूचित जाति/जनजाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत अनुसूचित जाति के ऐसे माता-पिता/अभिभावकों जिनकी वार्षिक आय रु. 2.50 लाख तथा अनुसूचित जनजाति के ऐसे माता-पिता/अभिभावक जिनकी वार्षिक आय रु. 2.50 लाख निर्धारित है, ऐसे समस्त छात्रों को छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति का लाभ दिया जायेगा। अन्य पिछड़ा वर्ग दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना में रु0 1.00 लाख वार्षिक आय वाले माता-पिता/अभिभावकों के पाल्य पात्र होंगे, किन्तु अन्य पिछड़ा वर्ग दशमोत्तर छात्रवृत्ति फण्ड

लिमिटेड योजना है। अतः इस योजना के अन्तर्गत केवल ए.आई.सी.टी.ई./एम.सी.आई./एन.सी.टी.ई. तथा तकनीकी शिक्षा परिषद, उत्तराखण्ड के ऐसे पात्र छात्र/छात्राओं को लाभान्वित किया जायेगा, जिनका प्रवेश काउंसलिंग के माध्यम से हुआ हो। अन्य पिछड़ा वर्ग दशमोत्तर छात्रवृत्ति के अन्तर्गत जिन छात्र-छात्राओं का प्रवेश मैनेजमेन्ट कोटे के अन्तर्गत हुआ हो, ऐसे छात्रों को छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति का लाभ नहीं दिया जायेगा।

ऑनलाईन छात्रवृत्ति स्वीकृति एवं वितरण के सम्बन्ध में निम्न प्रक्रिया निर्धारित की जाती है:-

(1) साफ्टवेयर में उपलब्ध छात्रवृत्ति आवेदन पत्र का विवरण/डाटा पात्र छात्र द्वारा ऑनलाईन स्वयं फीड किया जायेगा। इसके लिए छात्र को केवल एक बार <http://escholarship.uk.gov.in> पर अपना पंजीकरण करना होगा। सफल पंजीकरण के उपरान्त छात्र को उसे भविष्य के अपने सभी छात्रवृत्ति आवेदनों हेतु एक यूजर आईडी एवं पासवर्ड एस0एम0एस0/ई-मेल अलर्ट के माध्यम से प्राप्त होगा।

(2) प्राप्त हुए यूजर आईडी से छात्र कहीं से भी नियत अन्तिम तिथि से पहले अपने शिक्षण संस्थान को अपने छात्रवृत्ति आवेदन ऑनलाईन प्रस्तुत कर सकेंगे। छात्रवृत्ति हेतु नवीन ऑनलाईन आवेदन पत्र **Fresh Online Application form** के लिए आवेदन करते समय सम्बन्धित छात्र द्वारा निम्न अभिलेखों जैसे छात्र का पासपोर्ट साईज का नवीनतम फोटो, समक्ष अधिकारी द्वारा निर्गत मूल निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित शिक्षण संस्थान द्वारा निर्गत छात्र का बोनाफाईड सर्टिफिकेट, अन्तिम उत्तीर्ण परीक्षा का प्रमाण पत्र/मार्क्स-शीट तथा किसी भी सी0बी0एस0 बैंक की पासबुक का प्रथम पेज जिसमें छात्र का नाम/पता/बैंक एकाउण्ट संख्या एवं बैंक का आई0एफ0एस0सी0 कोड स्पष्ट रूप से दर्ज हो, की स्व-प्रमाणित प्रतियों को अपलोड करना आवश्यक होगा। ए.आई.सी.टी.ई./एम.सी.आई./एन.सी.टी.ई. तथा तकनीकी शिक्षा परिषद, उत्तराखण्ड के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग के अध्ययनरत छात्रवृत्ति के पात्र छात्र जिनका प्रवेश काउन्सलिंग के माध्यम से हुआ हो, ऐसे छात्रों को काउन्सलिंग का प्रमाण पत्र अपलोड करना आवश्यक होगा।

(3) आवेदन प्रस्तुत करने के उपरान्त छात्र अपने आवेदन की वर्तमान स्थिति की <http://escholarship.uk.gov.in> पर सतत ऑनलाईन निगरानी कर सकते हैं। छात्र को अपने आवेदन पत्र के सम्बन्ध में प्रत्येक स्तर पर होने वाली कार्यवाही की जानकारी भी एस0एम0एस0/ई-मेल अलर्ट के माध्यम से प्राप्त होती रहेगी।

(4) एक बार ऑन लाईन आवेदन प्रस्तुत करने के पश्चात छात्र अपने आवेदन में उसी दशा में आवश्यक संशोधन कर सकेंगे, यदि सम्बन्धित जनपद के समाज कल्याण अधिकारी द्वारा छात्र के आवेदन पत्र को किसी कारणवश अस्थायी रूप से निरस्त किया गया हो।

W

- (5) सम्बंधित छात्र द्वारा ऑन लाईन फीड किये गये आवेदन पत्र का एक प्रिन्ट आउट निकाल कर, उस पर हस्ताक्षर कर एवं नियत स्थान पर पासपोर्ट साईज की अपनी नवीनतम फोटो को चस्पा कर क्रमांक 2 में दर्शाये गये दस्तावेजों की स्व-प्रमाणित फोटो प्रतियों के साथ अपने शिक्षण संस्थान में नियत अंतिम तिथि से पहले प्रस्तुत करना होगा। छात्र अपने भरे हुए आवेदन पत्र का प्रिन्ट आउट निकाल कर अपने सन्दर्भ हेतु सुरक्षित रख सकते हैं।
- (6) अगले शैक्षणिक वर्ष से छात्रों को ऑन लाईन नवीनीकरण छात्रवृत्ति आवेदन पत्र **Renewal Online Application Form** की व्यवस्था उपलब्ध होगी। जिसे छात्र द्वारा भरा जायेगा, भरे हुए आवेदन पत्र के साथ छात्र/छात्रा का शिक्षण संस्थान द्वारा निर्गत बोनाफाईड सर्टिफिकेट, एवं विगत कक्षा/सेमेस्टर के परीक्षाफल का प्रमाण पत्र (जो सम्बन्धित संस्थाध्यक्ष द्वारा निर्गत किया गया हो) की फोटो प्रति तथा आय प्रमाण पत्र की फोटो प्रति सम्बन्धित संस्थाध्यक्ष को ऑन लाईन प्रस्तुत किया जायेगा। नवीन ऑनलाईन आवेदन की प्रक्रिया की भांति ही सम्बंधित छात्र द्वारा ऑन लाईन फीड किये गये नवीनीकरण ऑन लाईन आवेदन पत्र का एक प्रिन्ट आउट निकाल कर, उस पर अपने हस्ताक्षर कर एवं नियत स्थान पर पासपोर्ट साईज की अपनी नवीनतम फोटो को चस्पा कर छात्र/छात्रा द्वारा विगत कक्षा/सेमेस्टर के परीक्षाफल का प्रमाण पत्र (जो सम्बन्धित संस्थाध्यक्ष द्वारा निर्गत किया गया हो) तथा आय प्रमाण पत्र की स्व-प्रमाणित फोटो प्रतियों के साथ संलग्न कर अपने शिक्षण संस्थान में नियत अंतिम तिथि से पहले प्रस्तुत करना होगा। छात्र अपने भरे हुए आवेदन पत्र का प्रिन्ट आउट निकाल कर अपने सन्दर्भ हेतु सुरक्षित रख सकते हैं।
- (7) आवेदन पत्र में अंकित विवरण एवं संलग्नकों के माध्यम से प्रस्तुत किए जा रहे दस्तावेजों हेतु छात्र स्वयं जिम्मेदार होंगे। किसी भी प्रकार की गलत जानकारी पाये जाने पर छात्र के विरुद्ध आवश्यक विधि-सम्मत कार्यवाही की जाएगी, जिसमें छात्र के विरुद्ध सिविल अथवा क्रिमिनल कार्यवाही के अतिरिक्त अन्य कार्यवाही जैसे छात्रवृत्ति की वसूली एवं भविष्य में दी जाने वाली छात्रवृत्ति पर रोक लगाना आदि शामिल हो सकता है।
- (8) फर्जी आवेदनों को फिल्टर करने के लिए ऑन लाईन सॉफ्टवेयर में बार कोडिंग का प्राविधान किया जा रहा है।
- (9) शिक्षण संस्थाध्यक्ष द्वारा पहली बार संस्था का ऑनलाईन पंजीकरण कराना होगा। सम्बन्धित समाज कल्याण अधिकारी उनके पंजीकरण को अनुमोदित करेंगे, जिसके उपरान्त संस्थान अपने यूजर आईडी के माध्यम से <http://escholarship.uk.gov.in> का उपयोग कर संस्था में प्रचलित पाठ्यक्रमों एवं अद्यतन फीस स्ट्रक्चर की **mapping** कराना सुनिश्चित करेंगे।
- (10) सम्बंधित संस्थाध्यक्ष छात्रों द्वारा प्रेषित किये गये ऑन लाईन आवेदन पत्रों को निर्धारित की गई तिथि के अन्तर्गत परीक्षण करने के उपरान्त जिला समाज कल्याण अधिकारी को ऑन

लाईन प्रेषित किए जायेंगे। यदि किसी आवेदन पत्र में किसी प्रकार की कोई त्रुटि/कमी परिलक्षित होती है तो सम्बन्धित संस्थाध्यक्ष द्वारा इस सम्बन्ध में अपनी सुस्पष्ट टिप्पणी अंकित की जायेगी। संस्थाध्यक्ष को निर्धारित तिथि के अन्तर्गत परीक्षण के उपरान्त आवेदन पत्रों को जिला समाज कल्याण अधिकारी को ऑन लाईन अग्रसारित किया जाना आवश्यक होगा। सम्बन्धित शैक्षणिक संस्थान को छात्रों से प्राप्त मूल आवेदनों एवं उनके संलग्नकों की हार्ड कॉपी को शिक्षण संस्था द्वारा अपने कार्यालय में भविष्य के सुलभ सन्दर्भ (जांच आदि) हेतु संरक्षित एवं सुरक्षित रखा जाएगा। संस्थान द्वारा ऑन लाईन साफ्टवेयर से **proposal** (छात्रों की सूची) **generate** कर इसकी हार्ड कॉपी को सम्बन्धित जनपद के समाज कल्याण अधिकारी के कार्यालय को नियत अवधि में अग्रसारित करना होगा तथा शासन/विश्वविद्यालय/शुल्क निर्धारण समिति द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित फीस स्ट्रक्चर की प्रमाणित प्रति एवं सम्बन्धित शासन/विश्वविद्यालय/अखिल भारतीय तकनीकी प्रौद्योगिकी/ मेडिकल/शैक्षिक परिषद से मान्यता से सम्बन्धित अभिलेखों की प्रमाणित प्रतियों को भी उक्त **proposal** के साथ प्रेषित करना होगा। यदि संस्थाध्यक्ष द्वारा इस शासनादेश में दी गयी जिम्मेदारी का निर्वहन करने में लापरवाही बरती जाती है तो विभाग सम्बन्धित संस्थाध्यक्ष के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्यवाही हेतु स्वतन्त्र होगा।

(11) सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा ऑन लाईन प्राप्त आवेदन पत्रों को स्वीकृत/अस्वीकृत/निरस्त करने के संबंध में निम्नलिखित कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

(अ) जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा आवेदन पत्र को निम्न आधार पर स्थायी रूप से निरस्त किया जा सकेगा। (i) यदि छात्र द्वारा प्रस्तुत आय प्रमाण पत्र में अंकित की गई आय निर्धारित आय से अधिक हो (ii) यदि छात्र द्वारा जाति से सम्बन्धित प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं कराया गया हो (iii) यदि छात्र गत वर्ष की कक्षा में अनुत्तीर्ण हो गया हो।

(ब) जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा आवेदन पत्र को अस्थायी रूप से केवल इस आधार पर निरस्त किया जा सकेगा, यदि आवेदन पत्र में कोई ऐसी त्रुटि रह गई हो जिसे ठीक कराया जाना आवश्यक प्रतीत होता है, अस्थायी रूप से निरस्त किये गये आवेदन पत्र को सम्बन्धित छात्र द्वारा त्रुटि का निराकरण करते हुये निर्धारित समय के अन्तर्गत संस्थाध्यक्ष के माध्यम से ऑन लाईन जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराया जायेगा। सम्बन्धित संस्थाध्यक्ष द्वारा निर्धारित किये गये समय के अन्तर्गत आवेदन पत्रों को ऑन लाईन जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय को प्रेषित किये जायेंगे। संस्थान द्वारा ऑन लाईन साफ्टवेयर से **proposal** (छात्रों की सूची) **generate** कर इसकी हार्ड कॉपी को सम्बन्धित जनपद के समाज कल्याण अधिकारी के कार्यालय को नियत अवधि में अग्रसारित करना होगा तथा शासन/विश्वविद्यालय/शुल्क निर्धारण समिति द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित फीस

स्ट्रक्चर की प्रमाणित प्रति एवं सम्बन्धित शासन/विश्वविद्यालय/अखिल भारतीय तकनीकी प्रौद्योगिकी/ मेडिकल/शैक्षिक परिषद से मान्यता से सम्बन्धित अभिलेखों की प्रमाणित प्रतियों को भी उक्त **proposal** के साथ प्रेषित करना होगा।

(12) सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा कार्यालय में प्राप्त नवीन/नवीनीकरण ऑन लाईन **proposal** (छात्र सूची) को जांच हेतु सम्बन्धित सहायक समाज कल्याण अधिकारी को उपलब्ध करायी जायेगी। सम्बन्धित सहायक समाज कल्याण अधिकारी संस्थान में जाकर सूची में अंकित छात्रों के भौतिक सत्यापन के अतिरिक्त मुख्य रूप से जाति, आय प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, गत वर्ष में उत्तीर्ण प्रमाण पत्र, सम्बन्धित संस्था में संचालित कोर्स की मान्यता एवं कोर्स हेतु निर्धारित फीस स्ट्रक्चर आदि सूचनाओं की जांच करेगा। सम्बन्धित सहायक समाज कल्याण अधिकारी द्वारा निर्धारित किये गये समय के अन्तर्गत अपनी जांच आख्या जिला समाज कल्याण अधिकारी को उपलब्ध कराई जायेगी। जांच में किसी प्रकार की लापरवाही अथवा विलम्ब के लिये सम्बन्धित सहायक समाज कल्याण अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

(13) ए.आई.सी.टी./एम.सी.आई./एन.सी.टी.ई. तथा तकनीकी शिक्षा परिषद, उत्तराखण्ड के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं द्वारा छात्रों से 01वर्ष में 02 सैमेस्टरो में फीस की धनराशि ली जाती है। वर्तमान में विभाग द्वारा पात्र छात्रों को छात्रवृत्ति एवं फीस की धनराशि का वितरण वर्ष में एक बार किया जाता है। भविष्य में विभाग द्वारा सैमेस्टरवार फीस का भुगतान करने पर विचार किया जा रहा है। अतः एन.आई.सी द्वारा सॉफ्टवेयर में सैमेस्टर वार छात्रवृत्ति एवं फीस के भुगतान का समुचित प्राविधान पृथक से सॉफ्टवेयर में किया जायेगा।

(14) सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी सम्बन्धित संस्थान द्वारा प्राप्त ऑन लाईन आवेदन पत्रों को स्वीकृत करने के उपरान्त ई-बिल तथा पात्र छात्रों के नाम एवं सीबी0एस0 खातों का विवरण सहित वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी को ऑन लाईन प्रेषित करेंगे। सम्बन्धित वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी द्वारा छात्रवृत्ति एवं शुल्क का भुगतान सीधे सम्बन्धित छात्र के सीबी0एस0 खाते में सुनिश्चित किया जायेगा।

(15) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा जारी किये गये दिशा-निर्देशों (**Guide line**) के अनुसार छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति आदि की धनराशि को सीधे छात्रों के व्यक्तिगत खातों में भुगतान करने के निर्देश हैं। डीबी0टी0 योजना के अन्तर्गत भी भारत सरकार द्वारा धनराशि को सीधे लाभार्थियों के खातों में भुगतान किये जाने का प्राविधान है। अतः भविष्य में छात्रों को छात्रवृत्ति एवं उनके शुल्क प्रतिपूर्ति का भुगतान सीधे छात्रों के राष्ट्रीयकृत बैंकों में खोले गये सीबी0एस0 खातों के माध्यम से सुनिश्चित किया जायेगा।

W

उत्तराखण्ड राज्य से बाहर ए.आई.सी.टी./एम.सी.आई./एन.सी.टी.ई. आदि तकनीकी संस्थाओं में अध्ययनरत छात्रवृत्ति के पात्र छात्रों के प्राप्त आवेदन पत्रों की साफ्टवेयर में प्रविष्टि सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा अपने स्तर से कराई जायेगी। प्रदेश के बाहर स्थित शैक्षणिक संस्थाओं में अध्ययनरत छात्रों को छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति का भुगतान संबंधित छात्रों के सी.बी.एस. बैंक खातों के माध्यम से किया जायेगा। किसी भी दशा में छात्रवृत्ति का भुगतान शैक्षणिक संस्था को नहीं किया जायेगा। इस कार्य हेतु भी साफ्टवेयर में समुचित प्राविधान पृथक से एन0आई0सी0 द्वारा किया जायेगा।

छात्रवृत्ति की स्वीकृति एवं वितरण हेतु उक्त प्राविधान शिक्षण सत्र वर्ष 2015-16 से लागू होंगे जिसके लिये समय-सारिणी निम्न प्रकार से निर्धारित की जाती है किन्तु वर्ष 2014-15 हेतु समय-सारिणी शासनादेश (एनैक्सर 'क' पर संलग्न) के अनुसार निर्धारित की जाती है।

क0स0	प्रक्रियात्मक कार्यवाही	निर्धारित अन्तिम तिथि (प्रत्येक वर्ष हेतु)
नवीन (Fresh) छात्रों हेतु निर्धारित तिथियां		
1	छात्र/छात्रा द्वारा छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति प्राप्त करने हेतु online आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जाना।	30 नवम्बर तक
2	संबन्धित शिक्षण संस्था के प्रमुख द्वारा प्राप्त आनलाईन आवेदन पत्रों को जिला समाज कल्याण अधिकारी को प्रेषित किया जाना	10 दिसम्बर तक
3	सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा अस्थायी रूप से निरस्त किये जाने वाले आवेदन पत्रों की तिथि	15 दिसम्बर तक
4	सम्बन्धित छात्र द्वारा पुनः त्रुटि ठीक कर आवेदन पत्र को संस्थाध्यक्ष को प्रेषित करने की तिथि।	20 दिसम्बर तक
5	सम्बन्धित संस्थाध्यक्ष द्वारा अस्थायी रूप से निरस्त आवेदन पत्रों को पुनः प्राप्त होने पर आवेदन पत्रों को जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय को प्रेषित करने की तिथि।	25 दिसम्बर तक
6	सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा प्राप्त समस्त आवेदन पत्रों की जाँच सम्बन्धित सहायक समाज कल्याण अधिकारियों से कराया जाना।	10 जनवरी तक।
7	सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी के द्वारा ई0बिल तथा पात्र छात्रों की सूची सम्बन्धित कोषाधिकारी को उपलब्ध कराया जाना।	बजट उपलब्धता के आधार पर 01 सप्ताह के अन्तर्गत
8	सम्बन्धित कोषाधिकारी द्वारा पात्र छात्रों के सी.बी.एस. खातों में छात्रवृत्ति/शुल्क का स्थानान्तरण किया जाना	03 दिन के भीतर

✓

नवीनीकरण (Renewal) छात्रों हेतु निर्धारित तिथियां		
1	गत वर्ष में उत्तीर्ण छात्रों द्वारा नवीनीकरण आवेदन पत्रों को संस्थाध्यक्ष को ऑन लाईन प्रेषित करने की तिथि।	15 अगस्त तक।
2	सम्बन्धित संस्थाध्यक्ष द्वारा जिला समाज कल्याण अधिकारी को प्राप्त आवेदन पत्रों को प्रेषित करने की तिथि।	25 अगस्त तक।
3	सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा अस्थायी रूप से निरस्त किये जाने वाले आवेदन पत्रों की तिथि	05 सितम्बर तक।
4	सम्बन्धित छात्र द्वारा पुनः त्रुटि ठीक कर आवेदन पत्र को संस्थाध्यक्ष को प्रेषित करने की तिथि।	10 सितम्बर तक।
5	सम्बन्धित संस्थाध्यक्ष द्वारा अस्थायी रूप से निरस्त आवेदन पत्रों को पुनः प्राप्त होने पर आवेदन पत्रों को जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय को प्रेषित करने की तिथि।	15 सितम्बर तक।
6	सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा प्राप्त समस्त आवेदन पत्रों की जाँच सम्बन्धित सहायक समाज कल्याण अधिकारियों से कराया जाना।	30 सितम्बर तक।
7	सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी के द्वारा ई0बिल तथा पात्र छात्रों की सूची सम्बन्धित कोषाधिकारी को उपलब्ध कराया जाना।	बजट उपलब्धता के आधार पर 01 सप्ताह के अन्तर्गत
8	सम्बन्धित कोषाधिकारी द्वारा पात्र छात्रों के सी.बी.एस. खातों में छात्रवृत्ति/ शुल्क का स्थानान्तरण किया जाना	03 दिन के भीतर
9	छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति वैबसाइट को एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड द्वारा लॉक करने की तिथि	31 मार्च।

आगामी वर्षों हेतु भी छात्रवृत्ति स्वीकृति एवं वितरण की समय सीमा उक्तानुसार यथावत रहेगी। उक्त निर्धारित की गयी समय सीमा में किसी भी प्रकार के परिवर्तन का अधिकार शासन/निदेशक, समाज कल्याण/निदेशक, जनजाति कल्याण में निहित होगा।

इस ऑनलाईन प्रणाली द्वारा छात्रों व संस्था के छात्रवृत्ति के प्रकरणों का त्वरित तथा पारदर्शिता के साथ निराकरण सम्बन्धी तथा अन्य लाभों को देखते हुए यह व्यवस्था एन0आई0सी0 के तकनीकी सहयोग से समस्त जिलों में तत्काल प्रभाव से लागू जा रही है। प्रत्येक जिले के जिला सूचना विज्ञान अधिकारी तथा समाज कल्याण विभाग द्वारा उत्तराखण्ड बहुउद्देशीय वित्त एवं विकास निगम के कार्यालय में स्थापित आई0टी0सैल के द्वारा अपने जिले के जिला समाज कल्याण अधिकारियों को इस सम्बन्ध में आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया जायेगा। इसके अतिरिक्त निदेशक, समाज कल्याण तथा निदेशक, जनजाति कल्याण द्वारा स्वयं अथवा आई0टी0सैल के माध्यम से उक्त स्थापित व्यवस्था की प्रत्येक माह समीक्षा

18/

करायी जायेगी तथा तदनुसार रिपोर्ट शासन को प्रेषित की जायेगी। यदि किसी जनपद के जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा शासनादेश में किये गये किसी भी प्राविधान का उल्लंघन किया जाता है, तो सम्बन्धित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। उक्त आदेश तत्काल प्रभावी होंगे।

भवदीय,

(एस0 राजू)
अपर मुख्य सचिव।

पृष्ठा0सं0 / 2077 / स.क. / 2014 तददिनांक।

प्रतिलिपि:— निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही प्रेषित:—

- 1— अपर मुख्य सचिव (वित्त) उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
- 2— प्रमुख सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन, को मा0 मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में लाने हेतु।
- 3— प्रमुख निजी सचिव, मा0 मंत्री, समाज कल्याण, उत्तराखण्ड शासन को मा0 मंत्री जी के संज्ञान में लाने हेतु।
- 4— महालेखाकार, ओबराय विल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 5— आयुक्त, गढ़वाल/कुमायूँ मण्डल।
- 6— अपर सचिव वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
- 7— निदेशक, समाज कल्याण/जनजाति कल्याण, उत्तराखण्ड।
- 8— निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड।
- 9— समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 10— निदेशक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड।
- 11— समस्त मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 12— समस्त जिला सूचना विज्ञान अधिकारी (डी.आई.ओ. एन.आई.सी.) उत्तराखण्ड।
- 13— समस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 14— गार्ड फ़ावली।


आज्ञा से,

(बी0आर0टम्टा)
अपर सचिव।

एनेक्सर'क'

वर्ष 2014-15 में छात्रवृत्ति स्वीकृति एवं वितरण हेतु समय-सारिणी

क्र०स०	प्रक्रियात्मक कार्यवाही	निर्धारित अन्तिम तिथि
नवीन (Fresh) एवं नवीनीकरण (Renewal) छात्रों को आवेदन हेतु निर्धारित तिथियां		
1	छात्र/छात्रा द्वारा छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति प्राप्त करने हेतु online आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जाना।	31 दिसम्बर, 2014 तक
2	संबंधित शिक्षण संस्था के प्रमुख द्वारा प्राप्त आनलाईन आवेदन पत्रों को जिला समाज कल्याण अधिकारी को प्रेषित किया जाना	10 जनवरी, 2015 तक
3	सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा अस्थायी रूप से निरस्त किये जाने वाले आवेदन पत्रों की तिथि	20 जनवरी, 2015 तक
4	सम्बन्धित छात्र द्वारा पुनः त्रुटि ठीक कर आवेदन पत्र को संस्थाध्यक्ष को प्रेषित करने की तिथि।	31 जनवरी, 2015 तक
5	सम्बन्धित संस्थाध्यक्ष द्वारा अस्थायी रूप से निरस्त आवेदन पत्रों को पुनः प्राप्त होने पर आवेदन पत्रों को जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय को प्रेषित करने की तिथि।	10 फरवरी, 2015 तक
6	सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा प्राप्त समस्त आवेदन पत्रों की जाँच सम्बन्धित सहायक समाज कल्याण अधिकारियों से कराया जाना।	20 फरवरी, 2015 तक।
7	सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी के द्वारा ई0बिल तथा पात्र छात्रों की सूची सम्बन्धित कोषाधिकारी को उपलब्ध कराया जाना।	बजट उपलब्धता के आधार पर 01 सप्ताह के अन्तर्गत
8	सम्बन्धित कोषाधिकारी द्वारा पात्र छात्रों के सी.बी.एस. खातों में छात्रवृत्ति/ शुल्क का स्थानान्तरण किया जाना	03 दिन के भीतर


(बी0आर0टम्टा)
अपर सचिव,
समाज कल्याण